सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के शीर्षस्थ अधिकारियों की यात्राओं पर हुआ खर्चा

16. **श्री हुक्मदेव नारायण यादव :** क्या **उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के अध्यक्षों, प्रबन्ध निदेशकों और प्रबन्ध मण्डलों के सदस्यों की यात्राओं पर भत्तों, यात्रा भत्तों, अतिथि भत्तों, विशेष भत्तों और विदेश भ्रमण भत्तों के रूप में कुल कितना खर्चा हुआ है;

(ख) ऊपर उल्लिखित शीर्षों पर तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के मजदूरों और कर्मचारियों के वेतन और भत्ते पर किये गये कुल खर्च का कितना प्रतिशत खर्च किया गया है ; और

(ग) सरकार इस खर्च को कम करने तथा इसके औचित्य की जांच करने के लिये क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है ?

उद्योग मंत्री (श्री नारायण दत्त तिवारी): (क) से (ग) सरकारी उद्यम देश में तथा विदेश में यात्रा के दौरान यात्रा भत्ते/दैनिक भत्ते का भुगतान विनियमित करने और भारत तथा विदेशों में अतिथि सत्कार संबंधी खर्च पर नियंत्रण करने के लिये नियम बनाते हैं । सरकारी उद्यम कार्यालय द्वारा उपयुक्त मार्ग-निर्देश जारी कर दिये गये हैं जिनके आधार पर प्रत्येक सरकारी उद्यम अपने कर्मचारियों के यात्रा भत्ते/दैनिक भत्ते, अतिथि सत्कार संबंधी खर्च पर नियंत्रण रख सकते हैं । भारतीय रिजर्व बैंक ने भी दैनिक भत्ते की दरें निर्धारित की हैं, जो इन कार्यपालकों द्वारा विदेश यात्रा के दौरान प्राप्त की जा सकती है । सरकारी उद्यम कार्यालय की यह सलाह रही है कि सरकारी उद्यमों को अतिथि सत्कार, यात्राओं आदि पर खर्च करते समय किफ़ायत बरतनी चाहिये । सरकारी उद्यमों के अध्यक्षों, प्रबन्ध निदेशकों तथा निदेशक मण्डल के सदस्यों को विदेश यात्रा पर जाने से पहले प्रभारी मंत्री की पूर्व अनुमति लेनी आवश्यक है । निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सरकारी उद्यम के निदेशक मण्डल द्वारा इन कार्य-कलापों तथा इन पर किये गये खर्च की आवधिक रूप से समीक्षा की जाती है ।

सरकारी उद्यमों द्वारा अपने अध्यक्षों, प्रबन्ध निदेशकों तथा निदेशक मण्डल के सदस्यों के भत्तों अर्थात् यात्रा भत्ता, अतिथि भत्ता तथा विदेशी यात्राओं के भत्ते का खर्च तथा गत तीन वर्षों के दौरान सरकारी उद्यमों द्वारा श्रमिकों तथा ग्रेड–3 और 4 के कर्मचारियों के वेतन तथा भत्तों पर किये गये कुल खर्च से उनकी प्रतिशतता से संबंधित ब्यौरा तत्काल उपलब्ध नहीं है । चूंकि 200 से अधिक सरकारी उद्यम देश के कोने-कोने में फ़ैले हुए हैं । इसलिये इसका ब्यौरा एकत्र करने में जितना प्रयास तथा समय लगेगा, प्राप्त किये जाने वाले परिणाम उसके अनुरूप सिद्ध नहीं होंगे ।

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में सेवानिवृत्त व्यक्तियों की नियुक्ति

17. **श्री हुक्मदेव नारायण यादव :** क्या **उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान कितने सेवा-निवृत्त व्यक्तियों को सार्वजनिक क्षेत्र के विभिन्न उद्योगों में अध्यक्ष, प्रबन्ध निदेशक या प्रबन्ध मण्डल के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया और उन्हें नियुक्त किये जाने के क्या कारण हैं, और

(ख) क्या नियुक्ति के समय उन व्यक्तियों के सम्बन्ध में जिनके कार्यकाल में उद्योगों को नुकसान हुआ है, कोई जांच की गई थी, यदि नहीं तो उसके क्या कारण हैं ?

उद्योग मंत्री (श्री नारायण दत्त तिवारी) : (क) और (ख) आवश्यक जानकारी एकत्र की जा रही है और वह सभा-पटल पर रख दी जायेगी ।